A–0282

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-602

MA Jyotish (MAJY)

(ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार-01)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अष्टोत्तरी दशा साधन विधि का विवेचन कीजिए।

2. चंद्रादियोग के लक्षण एवं फल का प्रतिपादन कीजिए।

3. मारक योगों का विवेचन कीजिए।

4. सूर्यकृत राजयोगों का निरूपण कीजिए।

5. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा विंशोत्तरी दशा के अनुसार भुक्त एवं भोग्य दशावर्ष का आनयन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. स्वकल्पित उदाहरण के द्वाराा सूक्ष्मदशा एवं प्राण दशा आनयन की विधि को लिखिए।

2. नौ, कूट, छत्र, चाप एवं संख्या योगों के लक्षणों का निरूपण कीजिए।

3. केमद्रुम योग के लक्षण एवं भंग योग का विवेचन कीजिए।

4. विंशोत्तरी दशा के आधार पर नक्षत्रानुसार दशापति एवं ग्रहों के दशा वर्ष प्रमाण का निरूपण कीजिए।

5. बत्तीस नाभस योगों का नाम उल्लेख करते हुए शकट योग का लक्षण लिखिए।

6. रूचक एवं भद्र योगों के लक्षण एवं फल का निरूपण कीजिए।

7. चामर योग एवं शंख योग के लक्षण एवं फल का प्रतिपादन कीजिए।

8. मत्स्य योग, कूर्म योग एवं लक्ष्मी योग के लक्षण एवं फल का निरूपण कीजिए।

****